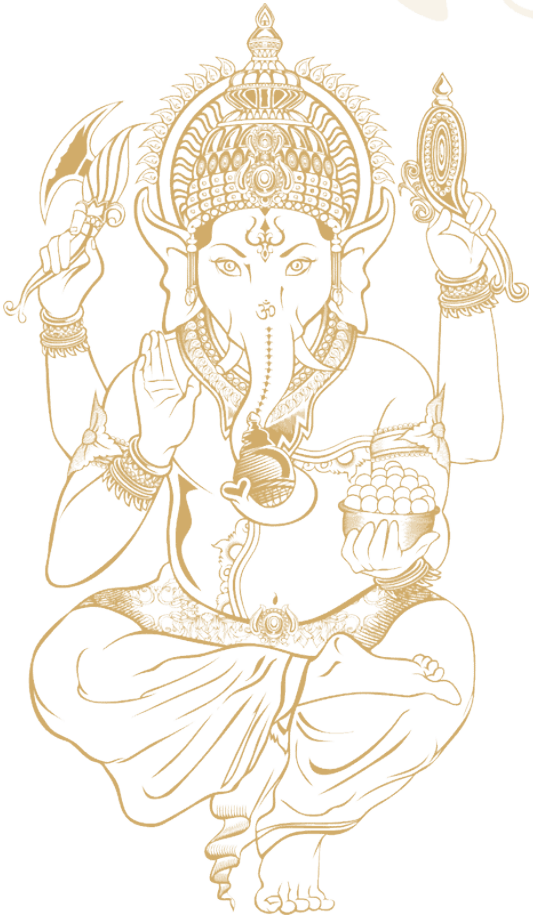

Mr.

12 Sep 1997

07:50 PM

Padrauna

Model: web-freekundliweb

Order No: 120448802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/09/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:50:00 घंटे**
इष्ट	35:29:28 घटी
स्थान	**Padrauna**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:54:00 उत्तर
रेखांश	83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:55:56 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	19:22:26 घंटे
सूर्योदय	05:38:12 घंटे
सूर्यास्त	18:02:04 घंटे
दिनमान	12:23:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:01:47 सिंह
लग्न के अंश	04:21:26 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:21:26	472:58:07	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	26:01:47	00:58:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			धनु	27:57:41	14:07:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			तुला	24:59:33	00:40:16	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			सिंह	09:21:40	00:23:01	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मक	19:19:38	00:04:48	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	06:45:36	01:09:45	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	25:06:57	00:03:48	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	25:54:49	00:00:11	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	25:54:49	00:00:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:19:09	00:01:28	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:32:39	00:00:49	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:15:25	00:01:00	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	25:12:35	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:27

लग्न-चलित

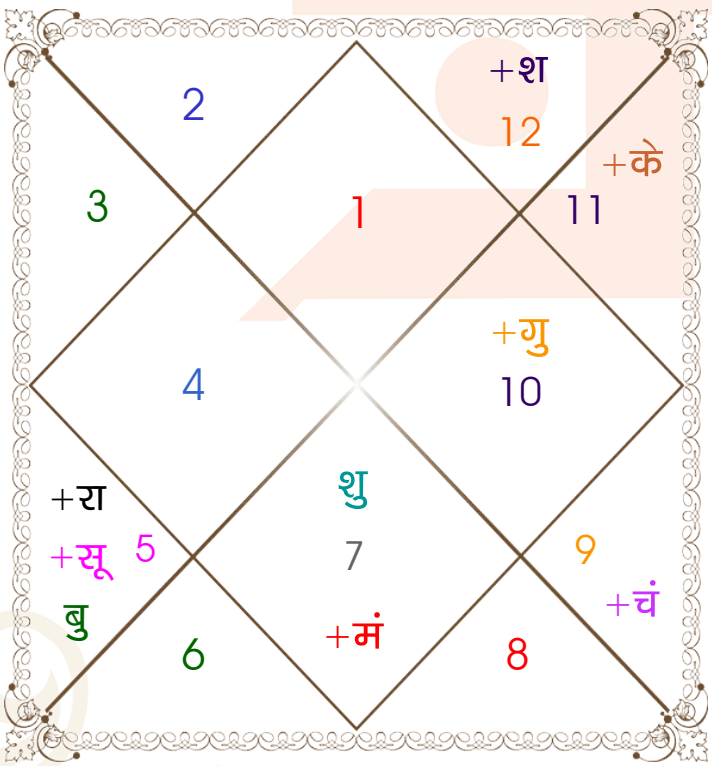

चन्द्र कुंडली

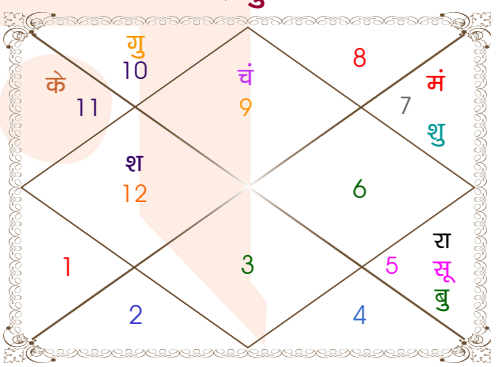

नवमांश कुंडली

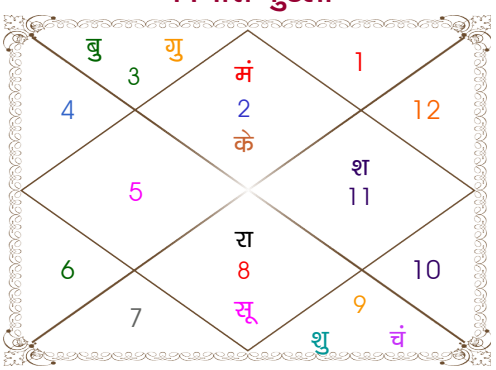

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 5 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/09/1997		12/02/2003		12/02/2013		12/02/2020		12/02/2038	
12/02/2003		12/02/2013		12/02/2020		12/02/2038		12/02/2054	
	12/09/1997	चंद्र	13/12/2003	मंगल	11/07/2013	राहु	25/10/2022	गुरु	01/04/2040
चंद्र	01/12/1997	मंगल	13/07/2004	राहु	29/07/2014	गुरु	20/03/2025	शनि	13/10/2042
मंगल	08/04/1998	राहु	12/01/2006	गुरु	05/07/2015	शनि	25/01/2028	बुध	18/01/2045
राहु	02/03/1999	गुरु	14/05/2007	शनि	13/08/2016	बुध	13/08/2030	केतु	25/12/2045
गुरु	19/12/1999	शनि	13/12/2008	बुध	10/08/2017	केतु	01/09/2031	शुक्र	25/08/2048
शनि	30/11/2000	बुध	14/05/2010	केतु	06/01/2018	शुक्र	01/09/2034	सूर्य	13/06/2049
बुध	07/10/2001	केतु	13/12/2010	शुक्र	08/03/2019	सूर्य	26/07/2035	चंद्र	13/10/2050
केतु	12/02/2002	शुक्र	13/08/2012	सूर्य	14/07/2019	चंद्र	24/01/2037	मंगल	19/09/2051
शुक्र	12/02/2003	सूर्य	12/02/2013	चंद्र	12/02/2020	मंगल	12/02/2038	राहु	12/02/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/02/2054		12/02/2073		12/02/2090		12/02/2097		13/02/2117	
12/02/2073		12/02/2090		12/02/2097		13/02/2117		00/00/0000	
शनि	15/02/2057	बुध	11/07/2075	केतु	11/07/2090	शुक्र	14/06/2100	सूर्य	02/06/2117
बुध	26/10/2059	केतु	07/07/2076	शुक्र	10/09/2091	सूर्य	14/06/2101	चंद्र	13/09/2117
केतु	04/12/2060	शुक्र	08/05/2079	सूर्य	16/01/2092	चंद्र	13/02/2103		00/00/0000
शुक्र	03/02/2064	सूर्य	14/03/2080	चंद्र	16/08/2092	मंगल	14/04/2104		00/00/0000
सूर्य	15/01/2065	चंद्र	13/08/2081	मंगल	12/01/2093	राहु	15/04/2107		00/00/0000
चंद्र	16/08/2066	मंगल	10/08/2082	राहु	31/01/2094	गुरु	14/12/2109		00/00/0000
मंगल	25/09/2067	राहु	27/02/2085	गुरु	06/01/2095	शनि	13/02/2113		00/00/0000
राहु	01/08/2070	गुरु	05/06/2087	शनि	15/02/2096	बुध	14/12/2115		00/00/0000
गुरु	12/02/2073	शनि	12/02/2090	बुध	12/02/2097	केतु	13/02/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 4 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।